बीपीसीसी 111

कला स्नातक (ऑनर्स) मनोविज्ञान
(बीएपीसीएच)

कोर पाठ्यक्रम (**CC**)

सत्रीय कार्य
जुलाई 2025 और जनवरी 2026 सत्रों के लिए

पाठ्यक्रम कोड : बीपीसीसी 111
पाठ्यक्रम शीर्षक : मनोवैज्ञानिक विकारों को समझना

मनोविज्ञान संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

सत्रीय कार्य
जुलाई 2025-2026

प्रिय शिक्षार्थी,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम दर्शिका में सूचित किया है कि इग्नू मनोविज्ञान के कोर पाठ्यक्रम में मूल्यांकन तीन भागों में है। इस पाठ्यक्रम में मूल्यांकन, इस प्रकार से है,: i) सत्रीय कार्य द्वारा सतत् मूल्यांकन, ii) ट्यूटोरियल और iii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 20 प्रतिशत, ट्यूटोरियल के लिए 10 प्रतिशत तथा सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत अंक निर्धारित है।

बीपीसीसी 111, 6 क्रेडिट (4 क्रेडिट थ्योरी + 2 क्रेडिट ट्यूटोरियल) कला स्नातक मनोविज्ञान ऑनर्स का पाठ्यक्रम है। आपको **बीपीसीसी** 111 के 4 क्रेडिट के लिए निम्नलिखित अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करने होंगे।

बीपीसीसी 111 सत्रीय कार्य के दो भाग हैं।

भाग क में सत्रीय कार्य I और II हैं।

सत्रीय कार्य-I में वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर निबंध के समान, प्रस्तावना एवं निष्कर्ष के साथ लिखने होंगे। इनका प्रयोजन विषय से संबंधित आपकी समझ एवं जानकारी को व्यवस्थित, संगत तथा सुस्पष्ट तरीके से वर्णन करने की योग्यता को जांचना है।

सत्रीय कार्य-II में संक्षिप्त श्रेणी के प्रश्न हैं। ये प्रश्न विषय से संबंधित अवधारणाओं व प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से समझने की क्षमता का परीक्षण करने के लिए हैं।

भाग ख में टयूटोरियल है जिसमें आपको दिये गये निर्देशानुसार कार्य करके रिपोर्ट बनाना होगा।

सत्रीय कार्य करने से पहले, कार्यक्रम दर्शिका में दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह अनिवार्य है कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपका उत्तर किसी विशेष श्रेणी के लिए निर्धारित शब्द–सीमा की अनुमानित सीमा के

भीतर होना चाहिए। याद रखिये कि इन सत्रीय प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन कौशल में सुधार होगा, तथा आप सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार हो जाएंगे।

सत्र	सत्रीय कार्य जमा करने की तिथि	सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान
जुलाई 2025 एवं जनवरी 2026	31 मार्च, 2026 एवं 30 सितम्बर, 2026	पूरा किया हुआ सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा करें।

आपको सारे सत्रीय कार्य निर्धारित समय सीमा के अन्दर जमा करने होंगे, जिससे आप सत्रांत परीक्षा दे सके।

जमा कराये गये सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त करें, तथा उसे संभाल कर रखिए। सत्रीय कार्य की एक फोटोकॉपी भी अपने पास रखें। मूल्यांकन के पश्चात, अध्ययन केन्द्र सत्रीय कार्यों को आपको लौटा देगा। पूर्ण किये हुए सत्रीय कार्य आपको प्रदान किये गये अध्ययन केन्द्र के संयोजक को ही भेजने होते हैं।

सत्रीय कार्य लिखने से पहले नीचे दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक अनुकरण करें:

1. आपके लिए नीचे दिए गये तथ्यों पर ध्यान केन्द्रित करना उपयोगी साबित होगा।

   a) **योजना** : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए उसके बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

   b) **संगठन** : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर तथ्यों का चुनाव और विश्लेषण कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर विशेष ध्यान दें। उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि :

      (i) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है;

      (ii) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध है; तथा

      (ii) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही है।

c) **प्रस्तुतीकरण** : जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में लिखना अनिवार्य है।** जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हो, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही होना चाहिए।

2. अपने उत्तर लिखने के लिए A4 साइज पेपर का प्रयोग करें और सभी पेजों को ध्यानपूर्वक टैग करें। बायीं ओर 4 सेमी का हाशिया और दो उत्तरों के बीच कुछ जगह छोड़े। उपयुक्त जगहों पर छोड़े गये हाशिया में उपयुक्त टिप्पणी करने के लिए शैक्षणिक परामर्शदाता (academic counselor) को सुविधा होगी।

3. *उत्तर आपकी स्वयं की लिखावट में होनी चाहिए*। अपने उत्तरों को टाइप या प्रिंट न करें। विश्वविद्यालय द्वारा भेजे गये अध्ययन सामग्री से अपने उत्तर की नकल न करें। अगर आप अध्ययन सामग्री से नकल करते हैं तो आपको शून्य अंक मिलेंगे।

4. आपको सत्रीय कार्य की एक प्रति पूर्ण किए सत्रीय कार्य के साथ इसे जमा करने से पहले संलग्न करनी होगी।

5. अगर आपने अध्ययन केन्द्र परिवर्तित के लिए निवेदन किया हुआ है, तो आपको सत्रीय कार्य, मूल अध्ययन केन्द्र में ही जमा करना चाहिए जब तक कि आपको विश्वविद्यालय द्वारा अध्ययन केन्द्र के बदलने की सूचना ना मिल जाये।

6. अगर आपको अपने सत्रीय कार्य के मूल्यांकन के पश्चात् कोई वास्तविक त्रुटि मिलती है जैसे सत्रीय कार्य का कोई हिस्सा का मूल्यांकन नहीं हुआ हो या कुल अंक जो संत्रीय कार्य पर गलत अंकित है, आदि। ऐसी त्रुटियों के सुधार के लिए और मुख्यालय में सही अंको को भेजने के लिए, अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक से संपर्क करें।

शुभकामनाओं के साथ,

मनोविज्ञाान संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ,
इग्नू, नई दिल्ली

बीपीसीसी 111 : मनोवैज्ञानिक विकारों को समझना
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः **BPCC 111**
सत्रीय कार्य कोड : बीपीसीसी **111** /एएसएसटी/**TMA**/जुलाई, 2025 - जनवरी, 2026
अधिकतम अंकः **100**

नोटः 1) सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2) सत्रीय कार्य अधिकतम 70 अंक का है। ट्यूटोरियल अधिकतम 30 अंक का है।
3) सत्रीय कार्य एवं ट्यूटोरियल अलग से जमा किए जाएंगे।

भाग क

सत्रीय कार्य - I

निम्नलिखित वर्णनात्मक श्रेणी के प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक नियत है। **2x20=40**

१. मनोविकृति विज्ञानं के कारणों और जोखिम कारकों पर चर्चा कीजिए !

२. जैविक, जैव रासायनिक, तंत्रिका मनोवैज्ञानिक और मनोशारीरिक आकलन सहित नैदानिक आकलन के विभिन्न रूपों की व्याख्या कीजिए ।

सत्रीय कार्य - II

निम्नलिखित *संक्षिप्त* श्रेणी के प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक नियत हैं। **6x5=30**

३. वर्गीकरण प्रणाली के लाभों की व्याख्या कीजिए।

४. उपयुक्त उदाहरण के साथ रक्षा तंत्र की व्याख्या कीजिए।

५. विभिन्न प्रकार की आसक्ति शैलियों का वर्णन कीजिए।

६. आत्महत्या की नैदानिक परिदृश्य का वर्णन कीजिए।

७. स्वलीनता वर्णक्रम विकार के कैड–5 मानदंड क्या हैं?

८. विच्छेदक विकारों के उपचार की व्याख्या कीजिए।

भाग ख

ट्यूटोरियल

(ट्यूटोरियल अध्ययन केन्द्र पर अलग से जमा किया जाएगा)

पाठ्यक्रम कोडः **BPCC 111**
ट्यूटोरियल कोड : ट्यूटोरियल/जुलाई, 2025 - जनवरी, 2026
अधिकतम अंकः **30**

1) उच्चतर माध्यमिक और स्नातक कॉलेज के छात्रों के बीच मनोवैज्ञानिक विकारों की समझ और व्यापकता पर एक सर्वेक्षण आयोजित कीजिए।

2) कम से कम दस प्रश्नों की एक प्रश्नावली तैयार कीजिए।

3) प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण कीजिए और समझ तथा जागरूकता के स्तर को वर्गीकृत कीजिए।

4) मौजूदा सामग्री (SLM) में चर्चा न की गई किसी भी गलत धारणा या ज्ञान में अंतराल की पहचान कीजिए।

मनोवैज्ञानिक विकारों के बारे में छात्रों की समझ और जागरूकता पर प्रभावी ढंग से डेटा इकट्ठा करने के लिए, अध्ययन सामग्री का संदर्भ देकर एक व्यापक प्रश्नावली तैयार करने की आवश्यकता है।

प्रश्नावली का प्रारुप :

- उच्चतर, माध्यमिक और स्नातक कॉलेज के छात्रों के बीच मनोवैज्ञानिक विकारों की समझ और व्यापकता से संबंधित न्यूनतम दस प्रश्न।
- नमूने (sample) के व्यक्तिगत विवरण जैसेः नाम (वैकल्पिक), आयु, लिंग, वर्ग, शैक्षिक योग्यता पेशा यदि कोई हो, परिवार का प्रकार, वैवाहिक स्थिति आदि विशेष गतिविधि के संदर्भ में प्रासंगिक है।
- मुक्त प्रश्न (open ended question) भी शामिल कर सकते हैं।
- एक बार प्रश्नावली तैयार हो जाने के बाद, उच्चतर, माध्यमिक और स्नातक कॉलेज के छात्रों को लक्ष्य करके सर्वेक्षण कीजिए। सटीक विश्लेषण के लिए विविध और प्रतिनिधि नमूना आकार सुनिश्चित कीजिए।

नमूना :

उच्च माध्यमिक विद्यालय और स्नातक महाविद्यालय के छात्रों में से प्रत्येक श्रेणी में से न्यूनतम 15 छात्र होने चाहिए। (15 minimum in each group: higher secondary (10^{th} & 12^{th}) and college students (any year)

डेटा विश्लेषण :

मनोवैज्ञानिकों विकारों के संबंध में सामान्य धारणाओं, गलत धारणाओं और जागरूकता के स्तर की पहचान करने के लिए प्रतिक्रियाएं एकत्र कीजिए और उनकी विश्लेषण कीजिए। समझ और जागरूकता के स्तर के आधार पर निष्कर्षों को विभिन्न प्रकारों में वर्गीकृत कीजिए। सामग्री में चर्चा की गई धारणाओं के साथ पहचानी गई धारणाओं की तुलना करने क लिए मनोवैज्ञानिक विकारों पर इकाई का संदर्भ लें। यदि कोई नई गलतफहमी या ज्ञान में कमी पाई जाती है जो मौजूदा श्रेणियों में फिट नहीं बैठती है, तो उनके लिए नई श्रेणियां बनाएं। अंत में, एक रिपोर्ट में निष्कर्षों को सारांशित करें, सबसे आम गलतफहमियों को उजागर कीजिए और सुधार या अतिरिक्त शैक्षिक संसाधनों का सुझाव दें जो छात्रों को मनोवैज्ञानिक विकारों को बेहतर ढंग से समझने में मदद कर सकें।

टयूटोरियल रिपोर्ट का प्रारुप :

1) शीर्षक पृष्ठ (बीपीसीसी 111 की टयूटोरियल गतिविधि लिखें, अपना नाम, क्षेत्रिय केंद्र और नामांकन संख्या का उल्लेख करें)

2) पृष्ठभूमि / विषय का परिचय (लगभग 200 शब्द)

3) कार्यप्रणाली (लगभग 150 शब्द)

   (a) नमूना विवरण (b) प्रश्नावली की तैयारी (c) डेटा संग्रह प्रक्रिया

4) निष्कर्ष (लगभग 250 शब्द)

5) चर्चा और निष्कर्ष (लगभग 300 शब्द)

6) निहितार्थ (लगभग 100 शब्द)

7) परिशिष्ट

(a) प्रश्नावली

(b) पूर्ण किया गया प्रश्नावली

(c) संदर्भ स्रोत

* टयूटोरियल गतिविधि रिपोर्ट आप के द्वारा केवल हाथ से ही लिखी जाएगी। टयूटोरियल रिपोर्ट लगभग 1000 शब्दों में लिखा जाएगा। डेटा के निष्कर्षों और चर्चा पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। निष्कर्षों के निहितार्थों पर भी आलोकपात करने की आवश्यकता है।

टयूटोरियल रिपोर्ट को बीपीसीसी 111 की असाइनमेंट फाइल में अंत में रखा जाएगा और अध्ययन केंद्र में जमा किया जाएगा।